आइए, योजक चिह्नों के अन्य उदाहरण देखें।

क. तुम प्रथम आने के लिए रात-दिन मेहनत करो।

ख. हमें वस्तुओं को यहाँ-वहाँ फैलाना नहीं चाहिए।

ग. इधर-उधर की बातें करके समय खराब मत करो।

घ. माता-पिता का सदैव आदर करना चाहिए।

अभ्यास 4

नीचे दिए गए योजक चिह्न वाले शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

अलग-अलग, दिन-रात, बार-बार, इधर-उधर, माता-पिता

काकपद (‸)

लिखते समय किसी शब्द या वाक्यांश के छूट जाने पर उस स्थान पर इस चिह्न को लगाकर उसके ऊपर उस शब्द या वाक्यांश को लिखा जाता है। इसे 'काकपद' या 'हंसपद' कहा जाता है।

लाल
क. कमल का फूल ‸ होता है।

अभी
ख. घड़ी में ‸ दस बजे हैं।

स्वास्थ्यवर्द्धक
ग. गाय का दूध ‸ होता है।

के सामने
घ. मेरे घर ‸ आम का एक पेड़ है।

अभ्यास 5

दिए गए वाक्यों में काकपद का प्रयोग करके पुनः लिखिए।

क. मेरा घर ठीक सामने है। (पार्क के) ______________________

ख. गुलाब का फूल रंग का होता है। (लाल) ______________________

ग. गाँधी जी के पिता का नाम करमचंद था। (गाँधी) ______________________

घ. नीम का फल निबौरी है। (कहलाता) ______________________

लाघव चिह्न (॰)

शब्दों को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए 'लाघव चिह्न' का प्रयोग किया जाता है।

डॉक्टर	–	डॉ॰	प्रोफेसर	–	प्रो॰
पंडित	–	पं॰	बैचलर ऑफ आर्ट्स	–	बै॰ ऑ॰ आ॰
मास्टर ऑफ आर्ट्स	–	मा॰ ऑ॰ आ॰			

अभ्यास 6

दिए गए शब्दों में लाघव चिह्न का प्रयोग करें।

क. मास्टर ऑफ आर्ट्स _____

ख. डॉक्टर संदीप _____

ग. पंडित दीनानाथ पाठक _____

घ. प्रोफेसर मधु शर्मा _____

निर्देशक चिह्न (–)

निर्देशक चिह्न का प्रयोग वाक्य के अंत में दिए गए उदाहरणों से पहले, कथन और विवरण के लिए किया जाता है। जैसे–

ये चिह्न राष्ट्रीय प्रतीक कहलाते हैं–राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय पशु आदि।

अध्यापक–बच्चो, यह क्या कर रहे हो?

माँ ने सामान की सूची लिखी–चीनी, चाय, साबुन, घी, आदि।

अभ्यास 7

नीचे दिए गए वाक्यों में उचित स्थान पर निर्देशक चिह्न लगाकर पुनः लिखिए।

क. ये चिह्न राष्ट्रीय प्रतीक कहलाते हैं राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय पशु आदि।

ख. करन ने पिकनिक पर जाने से पहले सामान की सूची बनाई गेंद, बल्ला, दरी, नाश्ता आदि।

ग. अध्यापक अरे दीपा, मैं यह क्या देख रहा हूँ!

घ. विभोर, मुझे मेला देखने जाना है।

ङ. सुदीप, मुझे आज घर जल्दी जाना है।

Scanned by CamScanner